क्या परमेश्वर ज्योतिषियों एवं आध्यात्मिक वादों को प्रेरित करता है?

अमेज़िंग फ़ैक्ट्स अध्ययन संदर्शिका

24

अगर कुछ स्व घोषित भविष्यद्वक्ता अचानक उठकर संदेश को हल करने, बीमारों को चंगा करने, मरे हुओं को जिलाने, स्वर्ग से आग गिराने और आपके निजी रहस्यों के ज्ञान को प्रकट करने के लिए भीड़ खींचने लगे, क्या आप उस पर विश्वास करेंगे? क्या आपको विश्वास करना चाहिए? आपकी अंतिम नियति सिर्फ सच्चे और झूठे भविष्यद्वक्ताओं के बीच अंतर करने की आपकी क्षमता से सीधे तौर से बंधी है। इसलिए यह जानना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाइबल वास्तव में इस समय के विषय में क्या कहती है!

1 क्या बाइबल सिखाती है कि पृथ्वी के आखिरी दिनों में सच्चे भविष्यद्वक्ता होंगे?

"परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा, और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी" (प्रेरितों के काम 2:17)।

उत्तर: हाँ। आखिरी दिनों में पुरुष और महिला दोनों भविष्यवाणी करेंगे (योएल 2:28-32)।

2 यीशु ने स्वर्ग जाते समय चार अन्य वरदान प्रेरित, प्रचारक, पादरी, और शिक्षक के साथ-साथ अपनी कलीलिसा में नबियों के वरदान को भी रखा: (इफिसियों 4:7-11)। परमेश्वर ने इन वरदानों को कलीसिया में क्यों रखा?

"जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और सेवा का काम किया जाए और मसीह की देह उन्नति पाए" (इफिसियों 4:12)।

उत्तर: यीशु ने अपने संतों को ये सभी पाँचो वरदान उन्हें सुसज्जित करने के लिए दिये। इन पाँच वरदानों में से कोई भी एक के विलुप्त होने पर, परमेश्वर की अंत-समय की कलीसिया का सुसज्जित होना सम्भव नहीं है।

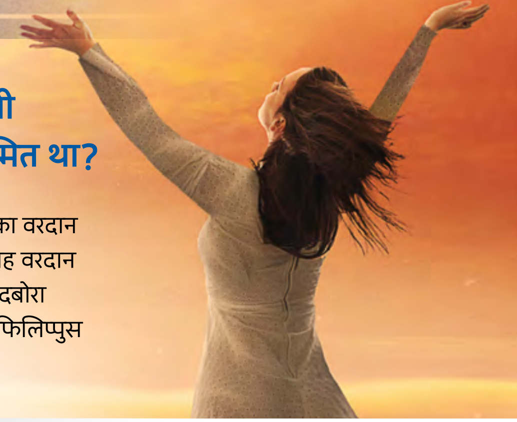

3 बाइबल के दिनों में, भविष्यवाणी का वरदान क्या पुरुषों तक सीमित था?

उत्तर: नहीं। कई पुरुषों के अलावा, जिन्होंने भविष्यवाणी का वरदान दिया गया था, परमेश्वर ने कम से कम आठ महिलाओं को यह वरदान दिया: हन्नाह (लूका 2:36-38); मिरियम (निर्गमन 15:20); दबोरा (न्यायियों 4:4); हुल्दा (2 राजा 22:14); और एक प्रचारक फिलिप्पुस की चार बेटियाँ (प्रेरितों 21:8 ,9)।

4 इन वरदानों को परमेश्वर की कलीसिया में कब तक रहना था?

"जब तक कि हम सब के सब विश्वास और परमेश्वर के पुत्र की पहिचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे डील-डौल तक न बढ़ जाएँ" (इफिसियों 4:13)।

उत्तर: वे तब तक बने रहेंगे जब तक कि परमेश्वर के सभी लोग एकीकृत, परिपक्व मसीही नहीं बन जाते - जो निश्चित रूप से समय के अंत में होगा।

5 सच्चे भविष्यवक्ता किस स्रोत से अपनी जानकारी प्राप्त करते हैं?

"क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई, पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे" (2 पतरस 1:21)।

उत्तर: भविष्यवक्ता आत्मिक मामलों में अपनी निजी राय व्यक्त नहीं करते हैं। उनके विचार यीशु से पवित्र आत्मा के माध्यम से आते हैं।

6 परमेश्वर तीन अलग-अलग तरीकों से भविष्यद्वक्ताओं से बात करता है। ये तरीकें क्या हैं?

"यदि तुम में कोई नबी हो, तो उस पर मैं यहोवा दर्शन के द्वारा अपने आप को प्रगट करूँगा, या स्वप्न में उससे बातें करूँगा। ... उस से मैं गुप्त रीति से नहीं, परन्तु आमने-सामने और प्रत्यक्ष होकर बातें करता हूँ" (गिनती 12:6, 8)।

उत्तर: दर्शन, सपने, या आमने-सामने।

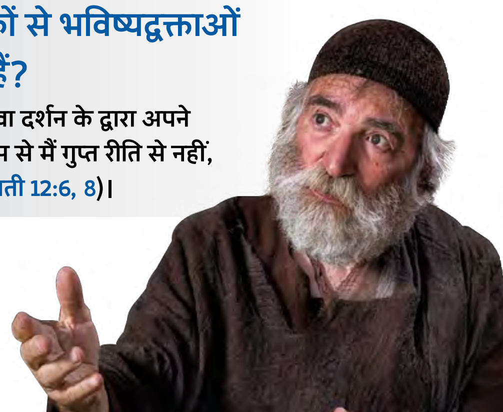

7 दर्शन में एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के शारीरिक साक्ष्य क्या हैं?

उत्तर: इन छह महत्वपूर्ण तर्कों पर ध्यान दें:

क. प्रारंभ में शारीरिक शक्ति खो देंगे (**दनिय्येल 10:8**)।

ख. बाद में अलौकिक शक्ति प्राप्त कर सकते हैं (**दनिय्येल 10:18, 19**)।

ग. साँस नहीं चलेगी (**दनिय्येल 10:17**)।

घ. बोलने में सक्षम रहेंगे (**दनिय्येल 10:16**)।

ड़. सांसारिक परिवेश से अवगत नहीं होंगे (**दनिय्येल 10:5-8; 2 कुरिंथियों 12:2-4**)।

च. आंखें खुली रहेंगी (**संख्या 24:4**)।

ये छः बाइबल तर्क दर्शन में एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के भौतिक साक्ष्य प्रदान करते हैं; वे सभी हमेशा एक साथ दिखाई नहीं देते हैं। एक भविष्यवक्ता का दर्शन एक ही समय में सभी छह साक्ष्य प्रकट किए बिना असली हो सकता है।

8 क्या बड़ा चमत्कार इस बात का सबूत है कि एक भविष्यवक्ता परमेश्वर की ओर से है?

"ये चिह्न दिखानेवाली दुष्टात्माएँ हैं" (प्रकाशितवाक्य 16:14)।

उत्तर: नहीं। शैतान और उसके दूतों के पास भी चमत्कार करने की शक्ति है। चमत्कार केवल एक चीज का सबूत देते हैं: अलौकिक शक्ति। लेकिन ऐसी शक्ति परमेश्वर और शैतान दोनों से आ सकती है (**व्यवस्थाविवरण 13:1-5; प्रकाशितवाक्य 13:13, 14**)।

9 यीशु ने हमें किस संकटपूर्ण अंत-समय के खतरे के बारे में अगाह किया है?

"क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिह्न, और अद्भुत काम दिखाएँगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें" (मत्ती 24:24)।

उत्तर: परमेश्वर हमें झूठे मसीहियों और झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए अगाह करता है जो इतने भरोसेमंद होंगे कि वे परमेश्वर के कुछ चुने हुए लोगों को छोड़ सभी को धोखा देंगे। अरबों को धोखा दिया जाएगा और वे खो जायेंगे।

10 मैं कैसे निर्धारित कर सकता हूँ कि एक भविष्यवक्ता सच्चा है या झूठा है?

“व्यवस्था और चितौनी ही की चर्चा किया करो! यदि वे लोग इन वचनों के अनुसार न बोलें तो निश्चय उनके लिये पौ न फटेगी” (यशायाह 8:20)।

उत्तर: परमेश्वर के वचन, बाइबल द्वारा उनकी शिक्षाओं और आचरण का परीक्षण करें। यदि वे पवित्रशास्त्र के विपरीत सिखाते हैं और व्यवहार करते हैं, तो वे झूठे भविष्यद्वक्ता हैं, और “उनमें कोई ज्योति नहीं है”।

11 क्या कुछ भिन्न प्रकार के झूठे भविष्यवक्ताओं विशेष रूप से बाइबल में नामित हैं और उन्हें दण्डित किया है?

उत्तर: हाँ। **व्यवस्थाविवरण 18:10-12** और **प्रकाशितवाक्य 21:8** निम्नलिखित प्रकार के झूठे भविष्यद्वक्ताओं के विरुद्ध बोलते हैं:

- **क.** भविष्य बताने वाले - ज्योतिषी
- **ख.** ओझा - जो मृतकों की आत्माओं से संपर्क करने का दावा करते हैं
- **ग.** मध्यम - जो मृतकों की आत्माओं का पथप्रदर्शन करने का दावा करते हैं
- **घ.** जो जादू-टोने का अभ्यास करता है - भाग्य बताने वाला
- **ड़.** जो सगुन का अर्थ बताते है – मंत्रों के द्वारा काम करते हैं
- **च.** आत्मावादी - जो मृतकों से बात करने का दावा करता है
- **छ.** चुड़ैल या डायन - मादा या पुरुष आत्मिकी

इनमें से अधिकतर झूठे भविष्यद्वक्ताओं ने मृतकों की आत्माओं से संपर्क करने का दावा किया है। बाइबल स्पष्ट रूप से बताती है कि मृतकों से संपर्क नहीं किया जा सकता है। (अध्ययन संदर्शिका 10 में मौत पर अधिक जानकारी है।) मृतकों की कथित आत्माएँ दुष्ट स्वर्गदूत - शैतान हैं (**प्रकाशितवाक्य 16:13, 14**)। क्रिस्टल गेंदें, हथेली पढ़ना, पत्तों को समझना, ज्योतिषी, और मृतकों की कथित आत्माओं के साथ बात करना, लोगों के साथ संवाद करने के परमेश्वर के तरीके नहीं हैं। शास्त्र स्पष्ट रूप से सिखाते हैं कि ऐसी सभी चीजें घृणित हैं (**व्यवस्थाविवरण 18:12**)। और इससे भी बदतर, जो इनमें शामिल रहना जारी रखते हैं, वे परमेश्वर के राज्य से बाहर हो जाएँगे (**गलतियों 5:19-21; प्रकाशितवाक्य 21:8; 22:14, 15**)।

12 क्या भविष्यद्वक्ता का पहला काम कलीसिया की सेवा करना या अविश्वासियों की सेवा करना है?

"इसलिये अन्य भाषाएँ विश्वासियों के लिये नहीं, परन्तु अविश्वासियों के लिये चिह्न हैं; और भविष्यद्वाणी अविश्वासियों के लिये नहीं, परन्तु विश्वासियों के लिये चिह्न हैं" (1 कुरिन्थियों 14:22)।

उत्तर: बाइबल स्पष्ट है। यद्यपि एक भविष्यद्वक्ता संदेश कभी-कभी जनता को सुधारने के लिए हो सकता है, फिर भी भविष्यद्वाणी की प्राथमिक उद्देश्य कलीसिया की सेवा करना है।

13 क्या परमेश्वर के अंत-समय की कलीसिया में भविष्यवाणी का वरदान है?

उत्तर: अध्ययन संदर्शिका 23 में, हमने पाया कि यीशु अपने अंत-समय की कलीसिया का छः तर्कों विवरण देता है। आइए इन छः तर्कों की समीक्षा करें:

क. यह ई. 538 और 1798 के बीच एक आधिकारिक संगठन के रूप में अस्तित्व में नहीं होगा

ख. यह 1798 के बाद उठ जाएगा और अपना काम करेगा।

ग. यह दस आज्ञाओं को मानेगा, जिसमें सातवें दिन के सब्त की चौथी आज्ञा होगी।

घ. उसके पास भविष्यद्वाणी का वरदान होगा।

ड़. यह एक विश्वव्यापी धर्मप्रचारक कलीसिया होगी।

च. यह प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के यीशु के तीन-सूत्रीय संदेश को सिखाएगी और प्रचार करेगी।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि, परमेश्वर के अंत-समय की शेष कलीसिया को यीशु के सभी वर्णनात्मक तर्कों में उपयुक्त होना चाहिए। इसका मतलब है कि भविष्यद्वाणी का वरदान भी शामिल होगा। उसके पास एक भविष्यद्वक्ता होगा।

14 जब आप परमेश्वर की अंत-समय की कलीसिया में शामिल होते हैं, जिसमें सभी वरदान हैं, तो यह आपको कैसे प्रभावित करेगा?

"हम आगे को बालक न रहें जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से, उन के भ्रम की युक्तियों के और उपदेश के हर एक झोंके से उछाले और इधर-उधर घुमाए जाते हों" (इफिसियों 4:14)।

उत्तर: यह आपको आत्मिक रूप से एक स्थान पर रखेगा। अब आप अपने विश्वासों में अनिश्चित और परेशान नहीं होंगे।

15 प्रेरित पौलुस, 1 कुरिन्थियों 12:1-18 में, जो वरदान यीशु ने अपनी कलीसिया को दिये उन वरदानों की उपमा शरीर के अंगों से करता है। शरीर का कौन सा हिस्सा भविष्यद्वाणी के वरदान का सबसे अच्छा प्रतीक है?

"पूर्वकाल में तो इस्राएल में जब कोई परमेश्वर से प्रश्न करने जाता तब ऐसा कहता था, "चलो, हम दर्शी के पास चलें;" क्योंकि जो आज कल नबी कहलाता है वह पूर्वकाल में दर्शी कहलाता था" (1 शमूएल 9:9)

उत्तर: चूँकि एक भविष्यद्वक्ता को कभी-कभी एक नबी कहा जाता है (जो भविष्य में देख सकता है), आंखें भविष्यद्वाणी के वरदान का सबसे अच्छा प्रतीक है।

16 क्योंकि भविष्यद्वाणी कलीसिया की आंखें है, भविष्यद्वाणी के वरदान के बिना एक कलीसिया किस स्थिति में होगी?

उत्तर: यह अँधी होगी। यीशु ने बाद के खतरों को संदर्भित किया जब उन्होंने कहा, "उन को जाने दो; वे अंधे मार्गदर्शक हैं और अंधा यदि अंधे को मार्ग दिखाए, तो दोनों ही गड़हे में गिर पड़ेंगे" (मत्ती 15:14)।

17 क्या परमेश्वर की शेष कलीसिया में मसीह के सभी वरदानों का होना आवश्यक है?

उत्तर: हाँ। पवित्रशास्त्र स्पष्ट रूप से सिखाती है कि परमेश्वर की अंत-समय की कलीसिया को "वरदान में घटी नहीं" होगी जिसका अर्थ है कि इसमें सभी वरदान होंगे, जिसमें भविष्यद्वाणी का वरदान (1 कुरिन्थियों 1:5-8) भी शामिल हैं।

18 प्रकाशितवाक्य 12:17 बताती है कि परमेश्वर की आखिरी शेष कलीसिया के पास "यीशु की गवाही" होगी। प्रकाशितवाक्य 19:10 कहता है कि "क्योंकि यीशु की गवाही भविष्यद्वाणी की आत्मा है।" क्या हम यकीन कर सकते हैं कि इसका मतलब है कि कलीसिया में एक भविष्यद्वात्ता होगा?

उत्तर: हाँ। एक स्वर्गदूत ने **प्रकाशितवाक्य 19:10** में प्रेरित यूहन्ना से कहा कि वह यूहन्ना का "सहकर्मी" था, जो उसके "भाइयों" में से एक था, जिसके पास यीशु की गवाही है। इसी स्वर्गदूत ने **प्रकाशितवाक्य 22:9** में इसी जानकारी को दोहराया और कहा, "मैं तेरा, और तेरे भाई भविष्यद्वक्ताओं, और इस पुस्तक की बातों के माननेवालों का संगी दास हूँ।" इस बात का ध्यान दें कि उसने खुद को वह जिसके पास यीशु की गवाही है कहने के बजाय एक भविष्यद्वक्ता कहा था। इसलिए "यीशु की गवाही" का होना और एक भविष्यद्वक्ता होने का मतलब एक ही है।

19 "यीशु की गवाही" शब्द के क्या अन्य विशेष महत्व हैं?

उत्तर: "यीशु की गवाही" का अर्थ है कि एक भविष्यद्वात्ता के शब्द यीशु से हैं। हमें एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के शब्दों को यीशु से, हमारे लिए एक विशेष संदेश के रूप में मानना है (**प्रकाशितवाक्य 1:1; आमोस 3:7**)। किसी भी तरह से, एक सच्चे भविष्यद्वक्ता का अपनमान करना बेहद खतरनाक है। यह यीशु का अपमान करने जैसा ही है, जो उन्हें भेजता है और उनका मार्गदर्शन करता है। कोई आश्चर्य नहीं कि परमेश्वर चेतावनी देता है, "मेरे अभिषिक्तों को मत छूओ, और न मेरे नबियों की हानि करो" (**भजन संहिता 105:15**)।

20 एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के लिए बाइबल की योग्यता क्या हैं?

उत्तर: एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के लिए बाइबल के परीक्षण तर्क इस प्रकार हैं:

क. इश्वरिय जीवन जीता है (**मत्ती 7:15-20**)।

ख. परमेश्वर द्वारा सेवा के लिए बुलाया जाता है (**यशायाह 6:1-10; यिर्मयाह 1:5-10; आमोस 7:14, 15**)।

ग. बाइबल के अनुरूप लिखता व बोलता है (**यशायाह 8:19, 20**)।

घ. उसकी भविष्यद्वाणियाँ सच होतीं हैं (**व्यवस्थाविवरण 18:20-22**)।

ड़. वह दर्शन देखता है (**गिनती 12:6**)।

21 क्या परमेश्वर ने अपने अंतिम समय की शेष कलीसिया के लिए एक भविष्यद्वक्ता भेजा था?

उत्तर: हाँ - उसने भेजा था! यहाँ संक्षिप्त विवरण दिए गए हैं:

परमेश्वर ने एक युवा महिला को बुलाया:

परमेश्वर की अंत-समय की कलीसिया 1840 के दशक के आरम्भ में संगठित होना शुरू हुई और वह बहुत ही ज़्यादा अगुवाई की ज़रूरत थी। इसलिए, **आमोस 3:7** के अपने वादे के अनुरूप, परमेश्वर ने ऐलन हार्मन नाम की एक युवा महिला को अपनी भविष्यद्वक्तयी के रूप में बुलाया। ऐलन ने प्रभु के बुलावे को स्वीकार कर लिया। नौ वर्ष की उम्र में दुर्घटना में वह घायल हो गई थी और केवल तीन वर्षों की औपचारिक शिक्षा के बाद उसे स्कूल छोड़ना पड़ा। 17 साल की उम्र में परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने तक उसका स्वास्थ्य बिगड़ चुका था, उसका केवल वजन मात्र 70 पाउंड (31.75 कि० ग्रा०) था और उसे मरने के लिए छोड़ दिया गया।

उसने 70 साल सेवा की

ऐलन ने यह समझने के साथ परमेश्वर के आह्वान को स्वीकार किया कि वह उसे शारीरिक रूप से सक्षम करेगा और उसे विनम्र बनाएगा। वह 70 साल तक जीवित रही और 87 साल की उम्र में उसकी मृत्यु हो गई। उसने जोर देकर कहा कि उसका उद्देश्य और काम कलीसिया और उसके सदस्यों को बाइबल की ओर ले जाना था - जो इसका सिद्धान्त होना था - और साथ ही यीशु की धार्मिकता का वरदान था। ऐलन ने इस अध्ययन मार्गदर्शिका में वर्णित एक भविष्यवक्ता के हर परीक्षा को पूरा किया।

उनका उपनाम और किताबें

ऐलन ने एक पादरी जेम्स व्हाइट से विवाह किया, और ऐलन जी व्हाइट नाम से लिखा। वह दुनिया की सबसे शानदार महिला लेखिकाओं में से एक बन गई। उनकी किताबें, दुनिया भर में पढ़ी जाती हैं, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वभाव, मसीही घर, पालन - पोषण पर, प्रकाशन और लेखन, जरूरतमंदो की सहायता, भंडारीपन, सुसमाचार, मसीही जीवन, और अधिक अधिक चीजों पर प्रेरित देती हैं। उनकी पुस्तक 'एजूकेशन' (शिक्षा) को उस क्षेत्र में उत्कृष्ट माना जाता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में शिक्षा के पूर्व प्रोफेसर डॉ फ्लोरेंस स्ट्रैमेटेयर ने कहा कि पुस्तक में "उन्नत शैक्षिक अवधारणाएँ" शामिल हैं और "अपने समय से पचास साल आगे थी।" कॉर्नेल विश्वविद्यालय के पोषण के पूर्व प्रोफेसर डॉ क्लाइव मैके ने स्वास्थ्य पर उनके लेखन के बारे में कहा: "इस तथ्य के बावजूद कि श्रीमती व्हाइट के काम आधुनिक वैज्ञानिक पोषण के आगमन से बहुत पहले लिखे गए थे, आज कोई बेहतर समग्र मार्गदर्शन उपलब्ध नहीं है। "रेडियो के समाचार प्रवक्ता, पॉल हार्वे ने कहा कि उन्होंने" पोषण के विषय पर इतनी गहन समझ के साथ लिखा है कि उन्होंने जो कुछ सिद्धांतों को स्वीकार किया है, उनमें से दो सिद्धांतों को, वैज्ञानिकों द्वारा माना गया है। "उनकी पुस्तक द डिजायर ऑफ ऐजस, यीशु ख्रीष्ट के जीवन पर आधारित पुस्तक को लंदन में स्टेशनर्स हॉल द्वारा "इंग्लिश मास्टरपीस" का दर्जा दिया गया है। यह वर्णन से परे दिल को जोश देने वाली और प्रोत्साहित करने वाली बात है। उन्होंने बुद्धि के विषय परविशेषज्ञों के सहमत होने से पहले कहा कि एक व्यक्ति का आईक्यू बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने 1905 में कहा कि कैंसर एक रोगाणु (या वायरस) है, जिसने चिकित्सा विज्ञान ने 1950 के दशक में समर्थन देना शुरू किया था। ऐलन चौथी सबसे अनुवादित लेखिका है। मसीही जीवन के बारे उनकी पुस्तक, स्टेप्स टू क्राइस्ट, पर का अनुवाद 150 से अधिक भाषाओं में किया गया है। (इस प्रेरणादायक पुस्तक की एक निःशुल्क प्रतिलिपि के लिए, अमेजिंग फैक्ट्स को लिखें।

22 क्या एलन व्हाइट ने दर्शन देखे थे?

उत्तर: हाँ – बहुत सारे। वे कुछ मिनट से छह घंटे तक चले थे। और वे इस अध्ययन संदर्शिका के प्रश्न 7 के उत्तर में उल्लिखित दर्शन के लिए बाइबल मापक को पूरा करते हैं।

23 क्या ऐलन व्हाइट के शब्द बाइबल का हिस्सा बनने या बाइबल के अतिरिक्त होने का इरादा रखते हैं?

उत्तर: नहीं। सिद्धांत अकेले बाइबल से आता है। एक अंत-समय के भविष्यद्वाक्ता के रूप में, उनका उद्देश्य यीशु के प्यार और उसकी करीबी वापसी पर जोर देना था। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे प्रभु की सेवा करें और एक वरदान के रूप में उसकी धार्मिकता स्वीकार करें। उन्होंने अंत समय के लिए बाइबल की भविष्यद्वाणियों पर लोगों का ध्यान भी खींचा - विशेष रूप से आज दुनिया के लिए यीशु के तीन-सूत्रीय संदेश पर (**प्रकाशितवाक्य 14:6-14**)। उन्होंने आग्रह किया कि वे आशा के इन संदेशों को जल्दी और दुनिया भर में साझा करें।

24 क्या एलन व्हाइट ने शास्त्रों के समानता में बात की थी?

उत्तर: हाँ! उनके लेखन पवित्रशास्त्र के साथ संतृप्त हैं। उनका उद्देश्य लोगों को बाइबल की ओर संकेत करना था। उसके शब्द कभी परमेश्वर के वचन का विरोधाभास नहीं करते हैं।

25 मैं ऐलन व्हाइट को एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के रूप में कैसे स्वीकार कर सकता हूँ, क्योंकि मुझे नहीं पता कि उसने क्या लिखा है?

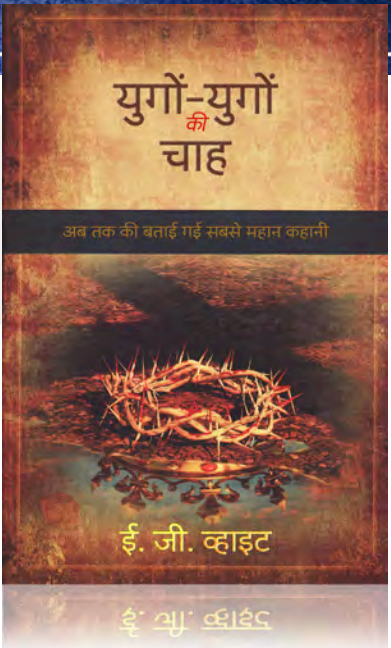

उत्तर: आप तब तक स्वीकार नहीं कर सकते जब तक कि आप उनके लेखन को नहीं पढ़ लेते। हालांकि, आप जान सकते हैं कि (1) परमेश्वर की अंत-समय की सच्ची कलीसिया में एक भविष्यद्वाक्ता होना चाहिए, और (2) ऐलन व्हाइट एक भविष्यद्वक्ता के परीक्षणों के मापदंड पर खरी उतरती है, और (3) उसने एक भविष्यद्वाक्ता का काम किया। हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप उसकी एक किताब प्राप्त करें और पढ़ें और खुद देखें। (डीज़ायर ऑफ एजेस, जो हिन्दी में युगों युगों की चाह के नाम से उप्लब्ध है, की एक सस्ती पुस्तक प्रति 'अमेजिंग फैक्ट्स' से खरीदी जा सकती है।) जैसा कि आप इसे पढ़ेगे, खुद से पूछें कि क्या यह आपको यीशु के पास आकर्षित करती है और क्या यह बाइबल के अनुरूप है। हमें लगता है कि आप इसे पूरी तरह से सम्मोहित करने वाली पाएँगे। यह आपके लिए लिखा गया था!

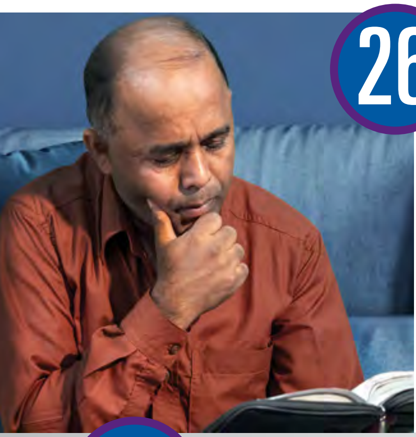

26 प्रेरित पौलुस ने हमें एक भविष्यद्वाक्ता के बारे में क्या तीन-आदेश दिए है?

उत्तर: पौलुस कहता है कि हमें किसी नबी को तुच्छ नहीं समझना चाहिए या "असंगत" नहीं करना चाहिए। इसके बजाय, हमें बाइबल द्वारा सावधानीपूर्वक परीक्षण करना चाहिए, जो भविष्यद्वाक्ता कहता है और करता है। यदि भविष्यद्वाक्ता के वचन और व्यवहार बाइबल के अनुरूप हैं, तो हमें उनकी देखभाल करनी चाहिए। यीशु ने आज अपने अंत-समय के लोगों से यही कहा है।

27 यीशु, सच्चे भविष्यद्वक्ता के शब्दों और सलाह को अस्वीकार करने पर, कैसा महसूस करता है?

उत्तर: यीशु, एक सच्चे भविष्यद्वक्ता को अस्वीकार करने को, परमेश्वर की इच्छा को अस्वीकार करने के रूप में देखता है (**लूका 7:28-30**)। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि आत्मिक समृद्धि उनके भविष्यद्वाक्ताओं पर विश्वास करने पर निर्भर करती है (**2 इतिहास 20:20**)।

28 क्या अंत-समय के सच्चे भविष्यद्वाक्ता नए सिद्धांत की शुरुआत की है, या सिद्धांत सिर्फ बाइबल से आते है?

उत्तर: अंत-समय के सच्चे भविष्यद्वक्ता सिद्धांत की उत्पत्ति नहीं करते हैं (**प्रकाशितवाक्य 22:18, 19**)। बाइबल सभी सिद्धांतों का स्रोत है। हालांकि, सच्चे भविष्यद्वक्ता ऐसा करते हैं:

क. बाइबल सिद्धांतों के रोमांचक नए पहलुओं को प्रकट करते है जिन्हें पहले नहीं समझा गया था (**आमोस 3:7**)।

ख. परमेश्वर के लोगों को उसके साथ चलने और उसके वचन का गहराई से अध्ययन करने का नेतृत्व करते हैं।

ग. परमेश्वर के लोगों को बाइबल के कठिन, अस्पष्ट, या अनजान भागों को समझने में सहायता करते हैं ताकि वे अचानक हमारे लिए जीवन में आ सकें और बड़ी खुशी ला सकें।

घ. परमेश्वर के लोगों को कट्टरपंथ, धोखाधड़ी और आध्यात्मिक मूर्खता से बचाने में मदद करते हैं।

ड़. परमेश्वर के लोगों को अंत-समय की भविष्यद्वाणियों को समझने में सहायता करते हैं, जिनकी पुष्टि समाचार में आने वाली घटनाओं से होती, और अचानक नए अर्थ लाती हैं।

च. परमेश्वर के लोगों को, यीशु की जल्द वापसी और दुनिया के अंत की निश्चितता को समझने में सहायता करते हैं।

यीशु के लिए गहराई से प्यार, बाइबल के बारे में एक नया उत्साह और बाइबल की भविष्यद्वाणियों की ताजा समझ के लिए-परमेश्वर के अंत-समय के भविष्यद्वक्ता को सुनें। आपको शानदार नए आयामों पर जीवन मिलेगा। याद रखें, यीशु ने कहा कि वह सहायक भविष्यद्वाणियों के संदेश के द्वारा अपने अंत-समय की कलीसिया को आशीर्वाद देगा। परमेश्वर की महिमा हो! वह अपने अंत-समय के लोगों के लिए सब कुछ कर रहा है जो स्वर्ग कर सकता है। वह अपने लोगों को बचाने और उन्हें अपने अनन्त साम्राज्य में ले जाने का इरादा रखता है। जो लोग उसका अनुसरण करते हैं उनके लिए स्वर्ग में प्रवेश निश्चित है (**मत्ती 19:27-29**)।

ध्यान दें: *प्रकाशितवाक्य 14:6-14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेशों के विषय पर यह नौवीं और अंतिम अध्ययन संदर्शिका है। अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर तीन आकर्षक अध्ययन संदर्शिकाएं बाकी हैं।*

29 क्या आप पवित्रशास्त्र द्वारा ऐलन व्हाइट के लेखों का परीक्षण करने और बाइबल के अनुरूप होने पर उसकी सलाह स्वीकार करने के इच्छुक हैं?

आपका उत्तर: ☐

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. क्या होता है जब एक कलीसिया में कोई भविष्यद्वक्ता नहीं होता है?

उत्तर: "जहाँ दर्शन (भविष्यद्वाणी) की बात नहीं होती, वहाँ लोग नाश हो जाते हैं, और जो व्यवस्था को मानता है, वह धन्य होता है" (**नीतिवचन 29:18**)। जब एक कलीसिया के पास सलाह देने वाला, मार्गदर्शक और उसे यीशु और बाइबल के करीब ले जाने के लिए कोई भविष्यद्वक्ता नहीं होता है, तो लोग गलती करेंगे (**भजन संहिता 74:9, 10**) और अंततः नष्ट हो जाएँगे।

2. क्या और भी सच्चे भविष्यद्वक्ता आज और यीशु के दूसरे आगमन के बीच प्रकट होंगे?

उत्तर: **योएल 2:28, 29** के आधार पर, यह निश्चित रूप से संभव प्रतीत होता है। झूठे भविष्यद्वक्ता भी होंगे (**मत्ती 7:15; 24:11, 24**)। हमें बाइबल द्वारा भविष्यद्वक्ताओं का परीक्षण करने के लिए तैयार रहना चाहिए (**यशायाह 8:19, 20; 2 तीमुथियुस 2:15**), अगर वे असली हैं तो उनकी सलाह पर ध्यान देना चाहिए। परमेश्वर जानता है कि लोगों को जागृत करने के लिए, उन्हें चेतावनी देने, और उन्हें यीशु और उसके वचन की ओर ले जाने के लिए भविष्यद्वक्ताओं की आवश्यकता होती है। उसने अपने लोगों को मिस्र से बाहर निकालने के लिए एक भविष्यद्वक्ता (मूसा) भेजा (**होशे 12:13**)। उन्होंने यीशु के पहले आगमन के लिए लोगों को तैयार करने के लिए एक भविष्यवक्ता (यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला) भेजा (**मार्क 1:1-8**)। उन्होंने इन अंत समय के लिए भविष्यद्वाणियों वाले संदेश देने का भी वादा किया। परमेश्वर हमें बाइबल और इसकी आखिरी भविष्यद्वाणियों को संकेत करने; हमें मजबूत करने, प्रोत्साहित करने और आश्वस्त करने के लिए; और हमें यीशु की तरह बनाने के लिए भविष्यद्वक्ताओं को भेजता है। तो आइए भविष्यद्वाणी के संदेशों का स्वागत करते हैं और उन्हें हमारे व्यक्तिगत भले के लिए भेजने के लिए, परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

3. अधिकांश चर्चों में आज भविष्यद्वाणी का वरदान क्यों नहीं है?

उत्तर: **विलापगीत 2:9** कहता है, "उसके राजा ... कारण व्यवस्थारहित हो गए हैं, और उसके भविष्यद्वक्ता यहोवा से दर्शन नहीं पाते हैं"। **यहेज्केल 7:26, यिर्मयाह 26:4-6, यहेज्केल 20:12-16,** और **नीतिवचन 29:18** यह भी दिखाते हैं कि जब परमेश्वर के लोग खुलेआम उसकी आज्ञाओं की उपेक्षा करते हैं, तो भविष्यद्वक्ताओं को उससे कोई दर्शन नहीं मिलता है। जब वे उसकी आज्ञाओं का पालन करना शुरू करते हैं, तो वह प्रोत्साहित करने और मार्गदर्शन करने के लिए एक भविष्यद्वक्ता भेजता है। जब परमेश्वर की अंत-समय की शेष कलीसिया ने, सब्त आज्ञा सहित, उसकी सभी आज्ञाओं को ध्यान में रखते हुए माना है, तो यह एक भविष्यद्वक्ता के लिए ठीक समय था, और परमेश्वर ने समय आने पर, एक भविष्यद्वक्ता भेजा।

4. भविष्यद्वाणी का वरदान आपको सार्थक बनाने के लिए आप क्या कर सकते हैं?

उत्तर: अपने लिए इसका अध्ययन करें और प्रार्थनापूर्वक इसका पालन करें ताकि यीशु अपने आगमन के लिए मार्गदर्शन दे सके और तैयार कर सके। "मैं तुम्हारे विषय में अपने परमेश्वर का धन्यवाद सदा करता हूँ ... कि उस में होकर तुम हर बात में, अर्थात् सारे वचन और सारे ज्ञान में धनी किए गए ... यहाँ तक कि किसी वरदान में तुम्हें घटी नहीं, और तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने की बाट जोहते रहते हो। वह तुम्हें अन्त तक दृढ़ भी करेगा कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो" (**1 कुरिन्थियों 1:4-8**)।

5. क्या भविष्यद्वाणी का वरदान या अन्य भाषा के वरदान का प्राप्त होना, परमेश्वर के शेष कलीसिया में एक बड़ी भूमिका निभाएगा?

उत्तर: भविष्यवाणी का वरदान प्रमुख भूमिका निभाएगा। **1 कुरिन्थियों 12:28** में, भविष्यद्वाणी के वरदान को महत्व में दूसरे स्थान पर रखा गया है जबकि भाषा को अंत में। भविष्यद्वाणी के वरदान के बिना एक

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें

कलीसिया अंधेरे में है। यीशु ने ईमानदारी से अंधेरे के खतरे से अपने अंतिम समय की कलीसिया को चेतावनी दी और उससे आग्रह किया कि वह उसे अपनी आंखों को स्वर्गीय आखों का सूर्मा से अभिषेक करने दें ताकि वह देख सकें (**प्रकाशितवाक्य 3:17, 18**)। आखों का सूर्मा पवित्र आत्मा का प्रतीक हैं (**1 यूहन्ना 2:20, 27; यूहन्ना 14:26**), जो कलीसिया को सभी वरदान देता है (**1 कुरिन्थियों 12:4, 7-11**)। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के शब्दों का पालन करने से अंत-समय में उसके लोगों को बाइबल समझने में मदद मिलेगी और अनिश्चितता और भ्रम को रोका जाएगा।

6. अगर हम "बाइबल और सिर्फ बाइबल" पर विश्वास करते हैं, तो क्या हमें आधुनिक भविष्य के भविष्यद्वक्ताओं को अस्वीकार नहीं करना चाहिए?

उत्तर: बाइबल मसीही सिद्धांत का एकमात्र स्रोत है। हालांकि, वही बाइबल बताती है: भविष्यद्वाणी का वरदान परमेश्वर की कलीसिया में समय के अंत तक अस्तित्व में रहेगा (**इफिसियों 4:11, 13; प्रकाशितवाक्य 12:17; 1 9:10; 22:9**)। एक भविष्यद्वक्ता के आदेशों को अस्वीकार करना, परमेश्वर की इच्छा को अस्वीकार करने जैसा है (**लूका 7:28-30**)। हमें भविष्यद्वक्ताओं का परीक्षण करने और उनकी सलाह का पालन करने का आदेश दिया जाता है वे बाइबल के अनुरूप बोलते हैं और उनमें ही जीते हैं (**1 थिस्सलुनीकियों 5:20, 21**)। इस प्रकार, जो लोग "केवल बाइबल" पर अपना विश्वास रखते हैं, उन्हें भविष्यद्वक्ताओं के बारे में इसकी सलाह का पालन करना चाहिए। सच्चे भविष्यद्वक्ता हमेशा बाइबल के अनुरूप बात करेंगे। भविष्यद्वक्ता जो परमेश्वर के वचन का विरोधाभास करते हैं वे झूठे हैं, और उन्हें खारिज कर दिया जाना चाहिए। अगर हम भविष्यद्वक्ताओं को सुनने और परीक्षण करने में असफल रहते हैं, तो बाइबल पर हमारा विश्वास नहीं है।

यह अध्ययन संदर्शिका 27 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

अध्ययन संदर्शिका 15: **ख्रीस्त विरोधी कौन है?**
अध्ययन संदर्शिका 16: **अंतरिक्ष से स्वर्गदूत के संदेश**
अध्ययन संदर्शिका 17: **परमेश्वर ने योजनाएं बनाई**
अध्ययन संदर्शिका 18: **सही समय पर! भविष्यवाणी की नियुक्तियों का खुलासा!**
अध्ययन संदर्शिका 19: **अंतिम न्याय**
अध्ययन संदर्शिका 20: **पशु की छाप**
अध्ययन संदर्शिका 21: **बाइबल भविष्यवाणी में संयुक्त राज्य अमरीका**
अध्ययन संदर्शिका 22: **दूसरी स्त्री**
अध्ययन संदर्शिका 23: **मसीह की दुल्हन (चर्च)**
अध्ययन संदर्शिका 24: **क्या परमेश्वर ज्योतिषियों एवं आध्यात्मिक वादों को प्रेरित करता है?**
अध्ययन संदर्शिका 25: **हम परमेश्वर पर भरोसा करते हैं**
अध्ययन संदर्शिका 26: **एक प्रेम जो बदलाव लाता है**
अध्ययन संदर्शिका 27: **पीछे मुड़ना नहीं**

सारांश पत्र 24

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृप्या इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (✓) फॉर्म भरने के लिए कृपया "**अडोबी रीडर**" का उपयोग करें।

1. कृपया नीचे दी गई उन बातों को चिन्हित करें जिनका अर्थ समान है: (4)

- ☐ यीशु की गवाही।
- ☐ भाषाओं का वरदान।
- ☐ भविष्यद्वाणी की आत्मा।
- ☐ आध्यात्मिकों की भविष्यद्वाणियाँ।
- ☐ भविष्यद्वाणी का वरदान।
- ☐ मृत आत्माओं के साथ बातचीत।
- ☐ कलीसिया से बात करने वाले भविष्यद्वक्ता।

2. क्या परमेश्वर महिलाओं और पुरुषों, दोनों को भविष्यद्वाणी का वरदान देता है? (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

3. इफिसियों के अध्याय 4 के मुताबिक, यीशु ने अपने स्वर्ग जाने के समय, कलीसिया को कौन से पाँच वरदान दिए? (5)

- ☐ भविष्यद्वक्ता।
- ☐ प्रेरित।
- ☐ शिक्षक।
- ☐ साक्षी देना।
- ☐ गायक।
- ☐ प्रचारक।
- ☐ जरूरतमंदों के साथ बाटना।
- ☐ पादरी।

4. कलीसिया में भविष्यद्वक्ताओं समेत ये पाँच वरदान कब तक रहने वाले थे? (1)

- ☐ जब तक नए नियम के भविष्यद्वक्ताओं की मृत्यु न हो जाये।
- ☐ न्याय शुरू होने तक।
- ☐ दुनिया के अंत तक।

5. बाइबल के अनुसार, नीचे सूचीबद्ध कौन सी चीजें एक भविष्यद्वक्ता के बारे में सच है? (5)

- ☐ अज्ञात भाषाओं में बोलता है।
- ☐ किसी दर्शन के दौरान कभी नहीं बोलता है।
- ☐ आंखें खुली रहती हैं।
- ☐ अक्सर हिंसक हो जाता है।
- ☐ साँस नहीं चलती है।
- ☐ कभी-कभी दर्शन में बोलते हैं।
- ☐ सांसारिक परिवेश से अचेत रहता है।
- ☐ अलौकिक शक्ति प्राप्त हो सकती है।

6. चमत्कारिक कामों से हमेशा प्रमाणित होता है कि एक भविष्यद्वक्ता परमेश्वर की ओर से है। (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

7. मैं निश्चित रूप से जान सकता हूँ कि एक भविष्यद्वक्ता परमेश्वर की ओर से है यदि वह (1)

- ☐ आचरण में दयालु और कृपालु है।
- ☐ शानदार चमत्कार करता है।
- ☐ बहुत चमकदार है।
- ☐ लगता है, बाइबल को अच्छी तरह से जानता है।
- ☐ यीशु की तरह दिखता है।
- ☐ बाइबल के अनुरूप बोलता है और कार्य करता है।

8. बाइबल द्वारा निम्नलिखित में से किस सी निंदा नहीं की जाती है? (1)

- ☐ ज्योतिषी।
- ☐ आध्यात्मिकवादों के कार्य।
- ☐ नक्षत्र ज्ञानी।
- ☐ जादूगर।
- ☐ जो तन्त्र या मन्त्र का उपयोग करता है।
- ☐ मृतकों की आत्मा का माध्यम।
- ☐ एक भविष्यद्वक्ता जो बाइबल के अनुरूप बोलता और रहता है।

9. एक भविष्यद्वक्ता का प्राथमिक काम कलीसिया की सेवा करना है। (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

10. एक कलीसिया परमेश्वर की सच्ची अन्त समय की कलीसिया नहीं हो सकती है जब तक कि उसमें एक भविष्यद्वक्ता न हो। (1)

- ☐ सत्य।
- ☐ असत्य।

11. शरीर का कौन सा हिस्सा भविष्यद्वाणी का प्रतीक है? (1)

- ☐ मुँह
- ☐ आंखें
- ☐ कान
- ☐ पैर
- ☐ हाथ

12. यीशु के दूसरे आगमन से पहले अंत-समय के और भी सच्चे भविष्यद्वक्ता प्रकट हो सकते हैं। (1)

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

13. "बाइबल और सिर्फ बाइबल" का पालन करने का मतलब है एक सच्चे भविष्यद्वक्ता को स्वीकार करना चाहिए। (1)

- [ ] हाँ।
- [ ] नहीं।

14. 1 थिस्सलुनिकियों 5:20, 21 में बाइबल की आज्ञा की भविष्यद्वाणी के बारे में तीन चीजें क्या हैं? (3)

- [ ] भविष्यद्वक्ताओं या भविष्यद्वाणी को तुच्छ न मानो।
- [ ] सभी भविष्यद्वक्ताओं का पालन करें।
- [ ] भविष्यद्वक्ता के शब्दों और कार्यों को बाइबल से परीक्षण या जाँचें।
- [ ] भविष्यद्वक्ताओं से पूछें कि क्या वे सचे हैं या झूठे हैं।
- [ ] जो अच्छा है, उस पर विश्वास करो या पकड़े रहो।
- [ ] सभी भविष्यद्वक्ताओं की अनदेखी करें।

15. जब हम एक सच्चे भविष्यद्वक्ता की सलाह को अस्वीकार करते हैं, तो हम परमेश्वर की सलाह को अस्वीकार करते हैं। (1)

- [ ] हाँ।
- [ ] नहीं।

16. अंत-समय के सच्चे भविष्यद्वक्ता नए सिद्धांतों को नहीं सिखवाते जो बाइबल में नहीं पाए जाते हैं। (1)

- [ ] हाँ।
- [ ] नहीं।

17. अधिकांश कलीसियाओं में सच्चे भविष्यद्वक्ता क्यों नहीं होते? (1)

- [ ] अगर वे आए तो वे उन पर विश्वास नहीं करेंगे।
- [ ] वे परमेश्वर की सभी आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं।
- [ ] उनके पास एक भविष्यद्वक्ता के बिना आवश्यक सभी प्रकाश हैं।

18. जहाँ कोई दर्शन नहीं है, लोग नष्ट हो जाते हैं। (1)

- [ ] सत्य।
- [ ] असत्य।

19. भविष्यद्वाणी की वरदान के बिना एक कलीसिया अँधी है। (1)

- [ ] हाँ।
- [ ] नहीं।

20. मैं पवित्रशास्त्र द्वारा ऐलन व्हाइट के लेखों का परीक्षण करने के लिए तैयार हूँ और उन्हें स्वीकार करूँगा यदि वे बाइबल के अनुरूप हैं।

- [ ] हाँ।
- [ ] नहीं।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें। अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए "जमा करें" पर क्लिक करें।

आपका नाम :					
आपका ईमेल :					
फोन नंबर :					
आपका पता :					
शहर जिला :		राज्य :		देश:	India
पिन:		आयु वर्ग :		लिंग :	

जमा करें

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें

Study Guide 24 • **Does God Inspire Astrologers and Psychics.**
www.AmazingFacts.org • www.AmazingFactsIndia.org • HindiBibleSchool@AFTV.in
© 2020 Amazing Facts India • All Rights Reserved • Printed in India • +91 9169164480